फार्म रिकॉर्ड तथा लेखा

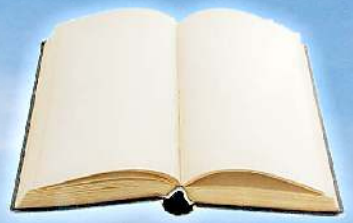

हरियाणा किसान आयोग

हरियाणा सरकार

अध्यक्ष
हरियाणा किसान आयोग
चौ.च.सिं.ह.कृ.वि. परिसर
हिसार–125004

आमुख

खेती की परिस्थितियां अत्यंत गतिशील हैं – अर्थात् ये सदैव परिवर्तित होती रहती हैं। यह परिवर्तन प्रौद्योगिकी, जलवायु, मूल्यों, सरकारी नीतियों और संस्थाओं के रूप में होते हैं। तथापि इन परिवर्तनों का फार्म उद्यमों के निष्पादन पर गंभीर प्रभाव पड़ता है।

किसी भी प्रबंध संबंधी कार्य में रिकॉर्डों को रखना और लेखाकरण अनिवार्य तत्व हैं। उचित रिकॉर्ड प्रणाली से किसानों को अपनी खेती संबंधी कार्यों के भौतिक व वित्तीय, दोनों प्रकार के निष्पादन के मूल्यांकन व उनकी निगरानी करने में सहायता मिलती है। इससे उनको यह पता चलता है कि उनकी उत्पादन योजना में कमजोर कड़ियां कौन–सी हैं और इस प्रकार वे सुधारात्मक उपाय अपना सकते हैं। इसी प्रकार, सम्पूर्ण रिकॉर्ड और लेखा समस्याओं के मूल्यांकन तथा उन कारणों का पता लगाने में उपयोगी सिद्ध होते हैं जिनसे इस प्रकार की समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इस प्रकार, किसानों को इन समस्याओं से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु सुधारात्मक उपायों के बारे में निर्णय लेने में मदद मिलती है।

मैं लंबे समय से यह देख रहा हूँ कि हमारे किसान बहुत जल्दी अच्छी बातों को ग्रहण करते हैं, बदलती हुई स्थितियों में अपने को बहुत तेजी से ढालते हैं, नवीनतम तकनीकों को स्वीकार करने की दिशा में उत्साहित रहते हैं और इन सबसे बढ़कर वे बहुत परिश्रमी भी हैं। तथापि, उन्हें रिकॉर्ड रखने और लेखा तैयार करने में अपनी निपुणता को बढ़ाने की आवश्यकता है।

'फार्म रिकॉर्ड तथा लेखा' शीर्षक की यह पुस्तिका हरियाणा के किसानों की विशिष्ट मांग पर तैयार की गई है। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे किसान खेती की योजना बनाने, अपने उत्पाद का वितरण करने और अपनी मेहनत की कमाई को खर्च करने के मामले में सही निर्णय लेने में यह पुस्तिका किसानों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। मैं डॉ. के.एन.राय, परामर्शक तथा डॉ. गजेन्द्र सिंह, अनुसंधान अध्येता के अत्यधिक कम समय में सूचना संकलित करने के लिए किए गए इस प्रयास की भी सराहना करता हूं।

राजेन्द्र परोदा

(आर.एस.परोदा)

फार्म रिकॉर्ड और लेखा–जोखा रखने का महत्व

वर्तमान में खेती संबंधी कार्य पूर्व के खेती संबंधी कार्यों की तुलना में अधिक से अधिक व्यापारोन्मुख हैं। अच्छा लाभ कमाने के लिए मात्र अच्छा उत्पादक होना ही पर्याप्त नहीं है। सफल किसान होने की कुंजी अच्छा उत्पादक होने के साथ–साथ अच्छा वित्त नियोजक होना या धनराशि का किस प्रकार उपयोग किया जाए, इसकी जानकारी होना भी है।

सफल किसान होने की दिशा में पहला कदम ठोस रिकॉर्ड रखने की प्रणाली स्थापित करके रिकॉर्डों को अच्छी तरह रखना है। किसान इन रिकॉर्डों का उपयोग यह पता लगाने के लिए कर सकते हैं कि क्या अच्छा है और क्या कमियां हैं। यह व्यापार की प्रगति तथा भावी योजना बनाने के लिए प्रगति का एक अच्छा उपाय है।

फार्म रिकॉर्डों से ऐसे प्रबंध संबंधी निर्णयों की सूचना प्राप्त करने में सहायता मिलती है जिनसे फार्म से होने वाले लाभ को बनाए रखने या उसे बढ़ाने में मदद प्राप्त होती है।

जिन किसानों ने कर्ज ले रखा है या जो अपनी लाभदायकता को बढ़ाना चाहते हैं, उनके लिए और अधिक सम्पूर्ण तथा विस्तृत प्रणाली की आवश्यकता है।

याद रखें कि फार्म के श्रेष्ठ रिकॉर्ड से हमें आवश्यकता के समय वांछित सूचना प्राप्त होती है। इससे फार्म संबंधी कार्यों से जुड़े क्रियाकलापों को समझने के बारे में आवश्यक जानकारी प्राप्त होती है, साथ ही इससे दिन–प्रतिदिन के फार्म व परिवार संबंधी व्ययों पर निगरानी रखने में भी सहायता प्राप्त होती है।

किसान का विवरण

नाम .....

पिता का नाम .....

गांव .....

डाकघर.....

तहसील .....

जिला .....

मृदा की स्थिति

दिनांक	प्लाट की स्थिति	मृदा पर्यवेक्षण	मिट्टी जांच के परिणाम	अपनाया गया सुधार	सुधार की लागत (रु.)	उपयोग की लागत (रु.)

टिप्पणी

फसल की रोपाई

फसल	किस्म	प्लाट की स्थिति	भूमि तैयारी की लागत (रु.)	बीज व बीजोपचार की लागत (रु.)	नर्सरी उगाने की लागत (रु.)	रोपाई की लागत (रु.)	मेड़ व कुंड बनाने की लागत (रु.)

टिप्पणी

उर्वरकों का उपयोग

फसल	किस्म	प्लाट की स्थिति	नाइट्रोजन उर्वरकों का उपयोग (कि.ग्रा.)	फास्फेट उर्वरकों का उपयोग (कि.ग्रा.)	पोटाश का उपयोग (कि.ग्रा.)	उर्वरकों व उनके उपयोग की कुल लागत (रु.)	सूक्ष्म पोषक तत्वों व उनके उपयोग की कुल लागत (रु.)	कार्बनिक खादों की लागत, यदि उपयोग हुआ है (रु.)

टिप्पणी

सिंचाई

फसल	किस्म	प्लाट की स्थिति	बुवाई से पूर्व सिंचाई	सिचांईयों की कुल संख्या	कुल जल प्रभार (रु.)	प्रयोग की कुल लागत (रु.)	सिंचाई का स्त्रोत

टिप्पणी

खरपतवार, नाशकजीव और रोग प्रबंध

फसल	किस्म	प्लाट की स्थिति	देखी गई समस्याएं	प्रयुक्त प्रबंधन तकनीकें	प्रयुक्त निवेशों की लागत (रु.)	मजदूरी की लागत (रु.)

टिप्पणी

फसल की कटाई

फसल	किस्म	प्लाट की स्थिति	मुख्य उत्पाद की उपज (क्विंटल)	उपोत्पाद की उपज (क्विंटल)	कटाई और गहाई की लागत (रु.)	परिवहन लागत (रु.)	निगरानी सहित अन्य व्यय (रु.)

टिप्पणी

पशुओं का रखरखाव

भैंस

नस्ल	भैंस की लागत (रु.)	सूखे चारे की लागत (रु.)	हरे चारे की लागत (रु.)	सांद्र तथा खनिजों की लागत (रु.)	दवाओं पर व्यय (रु.)	मजदूरी की लागत (रु.)	दूध से होने वाली आय (रु.)	उत्पन्न गोबर से आय (रु.)	नव कटड़े से आय (रु.)

गाय

नस्ल	गाय की लागत (रु.)	सूखे चारे की लागत (रु.)	हरे चारे की लागत (रु.)	सांद्र तथा खनिजों की लागत (रु.)	दवाओं पर व्यय (रु.)	मजदूरी की लागत (रु.)	दूध से होने वाली आय (रु.)	उत्पन्न गोबर से आय (रु.)	नव बछड़े से आय (रु.)

टिप्पणी

आय और व्यय का लेखा–जोखा

आय का स्रोत	आय (रु.) में	व्यय की मदें	व्यय (रु.) में	शुद्ध आय (रु.) में
फसलोत्पादन से कुल आय		फसलोत्पादन पर कुल व्यय		
पशुधन से कुल आय		पशुपालन पर कुल व्यय		
अन्य फार्म उद्यमों से आय		अन्य फार्म उद्यमों पर व्यय		
अन्य स्रोतों से आय		अन्य फार्म व्यय		
कुल फार्म आय		कुल फार्म व्यय		
पारिवारिक आय		कुल निवल आय		
		खाद्य तथा कांफेक्शनरी पर व्यय		
		कपड़ों तथा जूते–चप्पलों पर व्यय		
		शिक्षा पर व्यय		
		ईंधन और प्रकाश पर व्यय		
		चिकित्सा पर व्यय		
		धार्मिक कार्यों में व्यय		
		सामाजिक कार्यों में व्यय		
		पेय पदार्थों पर व्यय		
		मरम्मत व रखरखाव पर व्यय		
कुल फार्म व अन्य आय		कुल फार्म तथा पारिवारिक व्यय		

टिप्पणी

मुख्य ऑफिस
हरियाणा किसान आयोग,
चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय परिसर
हिसार-125004
फोन : +91-1662-289593
फैक्स : +91-1662-289511

www.haryanakisanayog.org

कैम्प ऑफिस
हरियाणा किसान आयोग,
किसान भवन, खांडसा मंडी
गुड़गांव-122001
फोन : +91-124-2300784